14/02/2025

Reet (वंदन बैच)

EVS

शिक्षाशास्त्र (Pedagogy)

॥

मूल्यांकन (Evaluation)

मूल्यांकन (Evaluation)

मूल्यांकन का अर्थ / Meaning of Evaluation

मूल्यांकन एक ऐसी प्रक्रिया है जिसके द्वारा अधिगम परिस्थितियों तथा सीखने के अनुभवों के लिए प्रयुक्त की जाने वाली समस्त विधियों की उपयोगिता की जाँच की जाती है।

Evaluation is a process by which we examine the usefulness of all the methods used in learning situations and learning experiences.

इस मूल्यांकन के दो भाव हैं- सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन।

There are two aspects of this evaluation – continuous and comprehensive evaluation.

सतत् मूल्यांकन / Continuous evaluation

इस मूल्यांकन द्वारा शिक्षार्थी का सर्वांगिण विकास होता है। अधिगम एक सतत् प्रक्रिया है अर्थात् यह एक निरन्तर चलने वाली प्रक्रिया है। इसलिए शिक्षार्थियों का मूल्यांकन भी निरन्तर होना चाहिए। शिक्षार्थी का सतत् मूल्यांकन तीन प्रकार से होता है:

Through this evaluation, the overall development of the learner takes place. Learning is a continuous process, that is, it is a continuous process. Therefore, evaluation of learners should also be done continuously. Continuous assessment of the learner takes place in three ways:

- निदानात्मक मूल्यांकन / Diagnostic evaluation
- रचनात्मक मूल्यांकन / Formative assessment
- संकलनात्मक मूल्यांकन / Summative assessment

निदानात्मक मूल्यांकन / Diagnostic evaluation

जिन शिक्षार्थियों में अधिगम की प्रगति आशनुरूप नहीं होती है ऐसे शिक्षार्थियों में अधिगम संबंधी समस्याओं का विश्लेषण करने के लिए इस मूल्यांकन का प्रयोग किया जाता है तथा इसके उपरान्त उन्हें उपचारात्मक शिक्षण प्रदान किया जाता है।

This assessment is used to analyze the learning problems of those students whose learning progress is not as expected and after that they are provided remedial teaching.

रचनात्मक मूल्यांकन / Formative assessment

इस मूल्यांकन के द्वारा अधिगम की प्रगति का आकलन एवं निर्धारण किया जाता है। इस मूल्यांकन से प्राप्त परिणामों के आधार पर शिक्षार्थियों को फीडबैक दिया जाता है। इस मूल्यांकन हेतु गृह कार्य, क्लास टेस्ट, दत्त कार्य, क्विज टेस्ट आदि का प्रयोग किया जाता है।

Through this evaluation, the progress of learning is assessed and determined. Feedback is given to the learners based on the results obtained from this assessment. Home work, class test, assigned work, quiz test etc. are used for this evaluation.

इस मूल्यांकन से शिक्षक अपनी शिक्षण विधि एवं शिक्षार्थी अपने संज्ञानात्मक व्यवहार में सुधार करते हैं।

Through this evaluation, teachers improve their teaching methods and students improve their cognitive behavior.

संकलनात्मक मूल्यांकन / Summative assessment

यह मूल्यांकन संपूर्ण सत्र की समाप्ति के बाद किया जाता है। इस मूल्यांकन का उद्देश्य अधिगम प्रगति और शैक्षिक उपलब्धि का आकलन करना होता है।

This evaluation is done after the end of the entire session. The purpose of this evaluation is to assess learning progress and academic achievement.

व्यापक मूल्यांकन

व्यापक मूल्यांकन / Comprehensive assessment

सतत् मूल्यांकन शिक्षार्थी के व्यवहार के सिर्फ एक पक्ष-संज्ञानात्मक पक्ष का मूल्यांकन करता है। परन्तु व्यापक मूल्यांकन के द्वारा शिक्षार्थियों के व्यवहार के तीनों पक्ष-संज्ञानात्मक, भावात्मक एवं क्रियात्मक का मूल्यांकन होता है।

Continuous evaluation evaluates only one aspect of the learner's behavior - the cognitive aspect. But through comprehensive assessment, all three aspects of learners' behavior – cognitive, emotional and functional – are evaluated.

इस मूल्यांकन के द्वारा शिक्षार्थी एवं गैर-शैक्षिक पक्षों का मूल्यांकन होता है।

Through this evaluation, ~~learner~~ and non-academic aspects are evaluated.

सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन की विधियाँ/ तकनीक

Methods/Techniques of Continuous and Comprehensive Evaluation

सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन की विधियाँ/ तकनीकें निम्नलिखित हैं:

Following are the methods/techniques of continuous and comprehensive evaluation:

साक्षात्कार / Interview

प्रश्नावली / प्रश्नोत्तर / Questionnaire

निरीक्षण / Inspection

दत्त कार्य / Assigned work

पोर्टफोलियो / Portfolio

यह प्राथमिक स्तर पर शिक्षार्थियों का आकलन करने का सर्वश्रेष्ठ तरीका है। पोर्टफोलियों में निम्नलिखित चीजें होती हैं:

It is the best way to assess learners at the primary level. A portfolio consists of the following things:

- बच्चे द्वारा बनाये गये चित्र / **child's drawings**
- स्व- आकलन शीट (कार्य - पत्रक) / **Self-Assessment Sheet (Worksheet)**

क्विज प्रतियोगिता / Quiz competition

चेक लिस्ट / Check list

इस से बालक के एक विशेषय विषय के विशेष सूचना का पता चलता है।

This reveals the child's special information about a particular subject.

इसमें उत्तर 'हाँ' या 'न' में होता है।

In this the answer is 'yes' or 'no'.

प्राथमिक स्तर पर मूल्यांकन / Assessment at primary level

एन. सी. एफ-2005 / N.C.F - 2005

एन. सी. एफ. - 2005 कक्षा एक और दो के लिए पर्यावरण अध्ययन विषय की सिफारिश नहीं करता है। इसलिए इस स्तर पर पर्यावरण अध्ययन की कोई पुस्तक नहीं है। परन्तु पर्यावरण अध्ययन से जुड़े मुद्दों को भाषा और गणित के माध्यम से बताए जाने की बात कहता है।

N. C.F. - 2005 does not recommend Environmental Studies subject for classes one and two. Therefore there is no book on environmental studies at this level. But it says that the issues related to environmental studies should be explained through language and mathematics.

इस स्तर पर औपचारिक मूल्यांकन नहीं होता है। शिक्षक को बच्चे का अवलोकन करते हुए ही मूल्यांकन करना चाहिए और इसे बच्चे के अभिभावक को भी बताना चाहिए। बच्चे के प्रगति कार्ड पर सामान्य अवलोकन से मालूम हुई उसकी अभिरुचि, क्षमता, कुशलता, स्वास्थ्य की स्थिति आदि की सूचना होनी चाहिए।

There is no formal evaluation at this level. The teacher should evaluate the child while observing him and should also inform the same to the child's parents. The progress card of the child should contain information about his aptitude, ability, skills, health condition etc. as revealed through general observation.

कक्षा तीन से पाँच तक के स्तर का मूल्यांकन होना चाहिए परन्तु यह सतत् मूल्यांकन आधारित होना चाहिए। इस स्तर पर निम्नलिखित अधिगम के आयामों का मूल्यांकन होना चाहिए:

There should be evaluation from class three to five but it should be based on continuous evaluation. At this stage the following dimensions of learning should be assessed:

- भाषा की समझ / **Language comprehension**
- पढ़ने की क्षमता / **ability to read**

- अभिव्यक्ति की क्षमता / Ability to express
- खुद अपने हाथों से करने से लेकर समूह में काम करने की कुशलता
- From DIY to teamwork skills
- अवलोकन, वर्गीकरण, ड्राइंग आदि करने के कौशल
- Skills of observation, classification, drawing etc.

प्राथमिक शिक्षा की पूरी अवधि में किसी भी तरह की औपचारिक सावधि जाँच-परीक्षा नहीं होनी चाहिए। साथ ही अंक या ग्रेड देने, पास या फेल करने की किसी भी तरह की पहलकदमी नहीं होनी चाहिए। इस स्तर पर मेरिट कायम करने से बचना चाहिए।

There should be no formal periodic examination of any kind during the entire period of primary education. Also, there should not be any initiative to give marks or grades, pass or fail. Establishing merit at this stage should be avoided.

शिक्षक को लगातार मूल्यांकन करते रहना चाहिए, वह भी दिये गए दिशा-निर्देशों के अनुसार ही यानी बच्चे के व्यक्तित्व के विभिन्न पक्षों को जानने के लिए ही मूल्यांकन होना चाहिए।

The teacher should keep evaluating continuously, that too according to the given guidelines, that is, evaluation should be done only to know the different aspects of the personality of the child.

इस स्तर के बच्चों के आकलन के लिए एन. सी. एफ. - 2005 ने निम्नलिखित संकेतकों की सिफारिश की है: —

For assessment of children of this level N. C.F. - 2005 recommended the following indicators:

1. अवलोकन और रिपोर्ट करना / Observe and report

2. चर्चा करना / To Discuss

3. अभिव्यक्ति / Expression

4. व्याख्या / Explanation

5. वर्गीकरण / Classification

6. प्रश्न करना / To Question

7. विश्लेषण / Analysis

8. प्रयोग करना / Experiment

9. न्याय और समानता के प्रति सरोकार / Concern for justice and equality

इस संकेतक से बच्चे के विविध, विभिन्न और वंचित लोगों के प्रति संवेदनशीलता का पता चलता है। / This indicator reflects the child's sensitivity to diverse, diverse and disadvantaged people.

जैसे / Example :

- चीजों का पुनरुपयोग करना
- Reusing things

- बचे हुए भोजन को जमीन पर नहीं फेंकना
- not throwing leftover food on the ground
- लैंगिक और वर्ग विभेदता के प्रति संवेदनशीलता दिखाना
- Showing sensitivity to gender and class differences.
- **10. सहभागिता / Involvement**

सीखने संबंधी विकृतियाँ / Lawing Disabilities

डिस्केल्कुलिया : संख्या / गणित संबंधी |

Dyscalculia: Number / Math related.

डिसग्राफिया : लेखन संबंधी ।

dysgraphia: related to writing.

डिस्लेक्सिया : पढ़ने संबंधी ।

Dyslexia: Related to reading.

Topic completed

Correction

मोर को राष्ट्रीय पक्षी घोषित किया गया

→ 1963